



साप्ताहिक

ख़बरों का आईना

बुलंदगोंदिया

प्रधान संपादक : अभिषेक चौहान | संपादक : नवीन अग्रवाल

E-mail : bulandghondia@gmail.com | E-paper : bulandghondia.net | Office Contact No.: 7670079009 | R. No.: MAH-HIN-10169



वर्ष : 3 | अंक : 39

गोंदिया : गुरुवार, दि. 4 मई से 10 मई 2023

पृष्ठ : 4 मूल्य : रु. 5

नागरिकों का विकास और जिले की प्रगति प्रशासन का लक्ष्य- जिलाधिकारी -चिन्मय गोतमारे

बुलंद गोंदिया। महाराष्ट्र एक विकासशील राज्य है और हमारा राज्य जन कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में देश में अग्रणी रहा है। आज तक प्रदेश अंतिम मानव के विकास के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है। जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे ने महाराष्ट्र दिवस पर जिलेवासियों को आश्वासन दिया कि आम नागरिकों का विकास और जिले की प्रगति ही प्रशासन का लक्ष्य होगा। उन्होंने जिलेवासियों को महाराष्ट्र दिवस व मजदूर दिवस की शुभकामनाएं दी।

पुलिस ड्रिल ग्राउंड करंजा-गोंदिया में आयोजित महाराष्ट्र राज्य की 63वीं वर्षगांठ के मुख्य समारोह में बोल रहे थे। जिला पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, इंडियन रिजर्व बटालियन के कमांडर अमोल गायकवाड़, अपर जिलाधिकारी सुभाष चौधरी, निवासी उपजिलाधिकारी स्मिता बेलपतरे, डिन डॉ.कुसुमाकर घोरपड़े, छात्र, पत्रकार एवं नागरिक इस अवसर पर उपस्थित थे। हाल ही में महाराष्ट्र का बजट पेश किया गया। यह बजट विकास के पांच सिद्धांतों पर आधारित है। सतत कृषि-समृद्ध किसानों, महिलाओं, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों, ओबीसी सहित सभी सामाजिक समूहों का समावेशी विकास, पर्याप्त पूंजी निवेश के माध्यम से बुनियादी ढांचा विकास, रोजगार सृजन सक्षम, कुशल, रोजगार योग्य युवा और पर्यावरण के अनुकूल विकास। उन्होंने कहा कि इसी के आधार पर सरकार महाराष्ट्र का चौतरफा विकास करने के लिए संकल्पित है।

हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि हाईवे को नागपुर से गोंदिया तक बढ़ाया जाएगा। इससे जिले के विकास को गति मिलेगी। सरकार द्वारा घोषित धान किसानों को प्रति हेक्टेयर 15 हजार रुपये बोनस दिया जा रहा है। सरकार समर्थित धान उपार्जन योजना के तहत जिले के 1 लाख 12 हजार किसानों को 166 करोड़ की प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया गया है। सरकार ने भारी बारिश के लिए मुआवजे की राशि को दोगुना कर दिया है।



कोतवाल को मानदेय बढ़ाकर अब 15 हजार रुपये मिलेंगे। कलेक्टर ने कहा कि राज्य परिवहन निगम की बसों के टिकट मूल्य में महिलाओं को 50 प्रतिशत की छूट देकर महिला सशक्तिकरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

महाराष्ट्र में किसान अब केवल एक रुपये में फसल बीमा प्राप्त कर सकते हैं, कृषि विकास को बढ़ावा देने वाला है। सरकार ने अब लड़कियों के सशक्तिकरण के लिए %शील लड़की% योजना को एक नए रूप में पेश किया है और पीले और नारंगी राशन कार्ड धारक परिवारों की लड़कियों को इस योजना का लाभ मिलेगा। पारंपरिक मछली पकड़ने वाले मछुआरों के लिए केंद्र की मदद से 5 लाख का बीमा प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने आशा स्वयंसेवकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में पर्याप्त वृद्धि की है। महात्मा ज्योतिराव फुले जन आरोग्य योजना के तहत अब 5 लाख तक का इलाज हो सकेगा। यह योजना कम आय वाले येलो और ग्रीन कार्ड धारकों को लाभ

प्रदान करती है। मार्च 2023 तक इस योजना से 35 हजार 183 हितग्राही लाभान्वित हो चुके हैं। 108 चिकित्सा आपात सेवाओं से 1 लाख 60 हजार 796 लोग लाभान्वित हुए हैं। संजय गांधी निराश्रित/श्रवणबल योजना में अब 1500 रुपये की धनराशि दी गई है। अल्पसंख्यक समुदाय के उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को 50 हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी जा रही है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक जिले के 500 युवाओं को जल, कृषि, कारवां, साहसिक पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में प्रशिक्षित किया जाएगा। इससे पर्यटकों की संख्या बढ़ाने में मदद मिलेगी।

वन विभाग के अधीन जिला पर्यटन विकास समिति एवं नवाटोला संयुक्त वन प्रबंधन समिति नवाटोला प्राकृतिक पर्यटन स्थल हजरफाल के विकास पर कार्य कर रही है तथा कुल 48 स्थानीय युवकों एवं 26 युवकों एवं 22 युवतियों सहित प्रशिक्षुओं को रोजगार प्राप्त हुआ है। वर्ष 2022-23 में 23 हजार 894 पर्यटक भ्रमण कर चुके हैं और इससे 24 लाख

63 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

बाल देखभाल योजना के तहत अब तक 1 हजार बच्चों को 94 लाख रुपये की सब्सिडी के रूप में लाभ दिया जा चुका है। माझी कन्या भाग्यश्री योजना के तहत आजपवेतो जिले में 1697 हितग्राहियों को 4 करोड़ 29 लाख 25 हजार रुपये के सावधि जमा प्रमाण पत्र वितरित किए गए हैं।

आदिवासी समुदाय के छात्रों के शैक्षिक, बौद्धिक और सामाजिक विकास के लिए %मिशन शिखर% पहल के तहत दिन-रात काम कर 17 छात्रों ने चिकित्सा और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपना स्थान बनाया है। साथ ही इस वर्ष भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के लिए देवरी परियोजना के 20 छात्रों को एक अध्ययन दौर पर आयोजित किया गया है और आश्रम विद्यालय के चयनित छात्र पहली बार हवाई जहाज से यात्रा करेंगे।

कृषि पंप ऊर्जाकरण योजना के तहत अब तक 9 हजार 806 कृषि पंपों को बिजली कनेक्शन दिया जा चुका है। दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, एकीकृत ऊर्जा विकास योजना, मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना, विलासराव देशमुख अभय योजना जैसी योजनाओं में जिले ने उल्लेखनीय कार्य किया है और किसानों व आम लोगों को लाभ दिया जा रहा है।

राज्य सरकार आम लोगों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को लागू कर रही है। आम लोगों को सरकारी योजनाओं के बारे में पता नहीं होता है कि आवेदन करने के बाद लाभ कैसे मिलेगा, कहां आवेदन करना है, कौन से दस्तावेज संलग्न करने हैं। इससे कुछ लोग सरकारी योजनाओं से वंचित रह जाते हैं। इसे देखते हुए सरकार ने सरकारी योजनाओं को गतिशील बनाने और अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए %सरकारी योजना मेला% पहल शुरू करने का निर्णय लिया है और जल्द ही इस पहल को गोंदिया जिले में लागू किया जाएगा। उन्होंने इस अवसर पर अपील की कि %सरकार

आपके द्वार% के उद्देश्य से इस गतिविधि को क्रियान्वित किया जाएगा तथा नागरिक योजनाओं का लाभ लेने के लिए संबंधित विभाग में आवेदन करें।

महाराष्ट्र ने 63 वर्षों में शानदार प्रदर्शन कर विभिन्न क्षेत्रों में देश में शीर्ष स्थान हासिल किया है। देश के विकास में महाराष्ट्र का योगदान अहम है। साथ ही जिला परिषद, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, वन विभाग, पुलिस प्रशासन, राजस्व विभाग, समाज कल्याण, आदिम जाति विभाग, लोक निर्माण विभाग सहित अन्य सभी विभागों के माध्यम से जनहित एवं जन कल्याणकारी योजनाओं का सुचारू रूप से क्रियान्वयन किया जा रहा है। प्रशासन का लक्ष्य आम नागरिकों का विकास और जिले की प्रगति है। जिलाधिकारी ने कहा कि चहुंमुखी विकास के लिए कटिबद्ध होकर जिले को सबसे आगे रखें। प्रारंभ में जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे ने ध्वजारोहण कर परेड का अवलोकन किया। पुरुष और महिला पुलिस बल, पुरुष और महिला होमगार्ड दस्ते, पुलिस बैंड दस्ते, पुलिस डॉग स्क्वाड, फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस ने परेड का संचालन किया।

उपजिलाधिकारी (रोहो) लीना फाल्के, उप विभागीय अधिकारी परवनी पाटिल, जिला अधीक्षक भू-अभिलेख रोहिणी सागरे, जिला सर्जन डॉ. अमरीश मोहबे, जिला खेल अधिकारी घनश्याम राठौड़, अतिरिक्त कोषागार अधिकारी लेखीचंद बाविस्कर, करण चव्हाण, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी राजन चौबे, जिलाधिकारी कार्यालय अधीक्षक संजय धार्मिक, तहसीलदार मानसी पाटिल, सहायक वन संरक्षक प्रदीप पाटिल, अपर तहसीलदार प्रकाश तिवारी सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मंजूश्री देशपांडे ने किया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले व्यक्तियों को जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया।

शरद पवार साहब आप अपना त्यागपत्र ले वापस गोंदिया जिला राष्ट्रवादी की मांग

बुलंद गोंदिया-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरदचंद्र पवार साहब ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त होने का निर्णय लिया। इस फैसले से गोंदिया जिला एनसीपी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में अच्छी खासी हलचल देखने देखने को मिली। पक्ष सुप्रिमो पवार के बयान के बाद इसे लेकर गोंदिया जिला राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की एक अत्यावश्यक बैठक बुलाई गई। इस बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शरदचंद्र पवार अपना इस्तीफा वापस ले लें और वे राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर बने रहें। इस बैठक की अध्यक्षता पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन ने की। राकांपा के संस्थापक अध्यक्ष शरदचंद्र पवार ने अचानक अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त होने का फैसला किया। निर्णय की घोषणा होते ही राकांपा पार्टी के नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में हड़कंप मच गया। गोंदिया जिला एनसीपी जिलाध्यक्ष गंगाधर ने इस फैसले पर मायूसी प्रकट कर तत्काल पक्ष की बैठक के लिए आवश्यक बैठक बुलाई गई।

पूर्व विधायक राजेंद्र जैन की अध्यक्षता में हुई पार्टी की बैठक में सभी कार्यकर्ता चाहते हैं कि माननीय शरदचंद्र पवार पक्ष के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहें। तदनुसार, पवार द्वारा लिए गए निर्णय के बाद की स्थिति को देखते हुए, यह तय किया गया कि उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अस्थिर विसर्जन करने गए नाबालिक की रजेगांव बाघ नदी में डूब कर मौत



रहना चाहिए और एक निवेदन प्रदेशाध्यक्ष जयंत पाटिल को भेजा गया। मुख्य रूप से राजेंद्र जैन, गंगाधर, सुरेश हर्षे, राजलक्ष्मी तुरकर, पूजा सेठ, विशाल शेंडे, बालकृष्ण पटले, किशोर तरोने, केवल बघेले, लोकपाल गहाणे, यशवंत परशुरामकर, अविनाश काशिवार, प्रभाकर दोनोडे, रफिक खान, प्रेमकुमार रहांगडाले, किरण कुमार पारधी, शंकरलाल टेंभरे, विनीत सहारे, सचिन शेडे, राजकुमार जैन, अखिलेश सेठ, मयूर दरबार, सय्यद इकबाल, मोहन पटले, हेमकृष्ण संग्रामे, टी एम पटले, राजेश तुरकर, पन्नालाल डहारे, योगेश नाकाडे, चंद्रकुमार चुटे, एकनाथ वहिले, सुनील पटले, शैलेश वासनिक, दानिश साखरे, नागो बन्सोड, निम्पल बरय्या, आरजू मेश्राम, तुषार ऊके, किशोर ब्राह्मणकर, विनोद चुटे, धनेश्वर तिरले, यादोराव तरोणे, लक्ष्मण नागपुरे, कांतीकुमार बागडे, विजय रहांगडाले, दीपक कनोजे, रौनक ठाकूर, वामन गेडाम, शरद मिश्रा, कपिल बावनथडे, कुणाल बावनथडे, अरमान जयस्वाल, दर्पण वानखेडे, गौरव शेंडे, नरेंद्र बेलगे सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

अस्थिर विसर्जन करने गए नाबालिक की रजेगांव बाघ नदी में डूब कर मौत

बुलंद गोंदिया। महाराष्ट्र- मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित रजेगांव कोरणी घाट बाघ नदी में 29 अप्रैल शनिवार की सुबह अस्थिर विसर्जन करने गए एक 17 वर्षीय नाबालिक की डूबकर मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सालोकासा तहसील के ग्राम नानवा निवासी योग रमेश पटले उम्र 17 वर्ष अस्थिर विसर्जन करने के लिए महाराष्ट्र- मध्यप्रदेश की सीमा पर स्थित रजेगांव कोरणी घाट बाघ नदी



में गया था जहां गहरे पानी में चले जाने से उसका संतुलन बिगड़ गया वह उसकी डूबने से मौत हो गई। नाबालिक के डूबने की जानकारी जिला आपदा प्रबंधन विभाग को प्राप्त होते ही रेस्क्यू दल रवाना किया गया किंतु तब तक स्थानीय मछुआरों की सहायता से नाबालिक मृतक युवक का शव नदी से निकाला गया। उपरोक्त मामले में रावणवाड़ी पुलिस थाने में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की गई।

निर्दलीय विधायक विनोद अग्रवाल के चाबी संघटना व कांग्रेस गठबंधन का गोंदिया कृषि उत्पन्न बाजार समिति पर कब्जा

आमगांव-तिरोड़ा-देवरी में भाजपा अर्जुनी मोरगांव में किसी को स्पष्ट बहुमत नहीं

बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले की कृषि उत्पन्न बाजार समिति के चुनाव परिणाम 29 अप्रैल शनिवार को घोषित किए गए जिसमें गोंदिया कृषि उत्पन्न बाजार समिति में परिवर्तन पैल को पूर्ण बहुमत मिला जिसमें विधायक विनोद अग्रवाल के चाबी संघटना के 10 व कांग्रेस के 4 संचालक निर्वाचित हुए वहीं पूर्व विधायकों गोपालदास अग्रवाल व राजेंद्र जैन के नेतृत्व में चुनाव लड़ने वाले सहकार पैल के 3 संचालक व एक शिवसेना का संचालक निर्वाचित हुआ तथा तिरोड़ा में भाजपा को पूर्ण बहुमत, आमगांव में भाजपा व राष्ट्रवादी के गठबंधन को बहुमत तथा अर्जुनी मोरगांव में भाजपा 9 वह महाविकास आघाडी समर्थित पैल को 9 समान सीटें प्राप्त हुई हैं।

गौरतलब है कि सहकार क्षेत्र की सबसे बड़ी संस्था कृषि उत्पन्न बाजार समिति पर अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए सभी राजनीतिक दलों के दिग्गज वरिष्ठ नेताओं द्वारा एड़ी चोटी का जोर लगा दिया था किंतु गोंदिया कृषि उत्पन्न बाजार समिति में विधायक विनोद अग्रवाल के चाबी संघटना व कांग्रेस के गठबंधन के परिवर्तन पैल को भारी सफलता प्राप्त हुई जिसमें उनके 14 संचालक निर्वाचित हुए तथा भाजपा व राष्ट्रवादी गठबंधन सहकार पैल के रूप में पूर्व विधायक गोपाल दास अग्रवाल व राजेंद्र जैन के नेतृत्व में चुनाव लड़ा गया था जिसके मात्र 3 संचालक ही निर्वाचित हुए जिसमें से एक संचालक निर्विरोध पूर्व में निर्वाचित हो चुका था वहीं एक संचालक शिवसेना ठाकरे गट का विजयी हुआ।

गोंदिया कृषि उत्पन्न बाजार समिति में सेवा सहकारी गट के 11 में से 10 संचालक परिवर्तन पैल के निर्वाचित हुए जिसमें भाऊराव उके, ओमेश्वर चौधरी, राजीव ठाकरेले, राधाकृष्ण ठाकुर, धनंजय तुरकर, राजकुमार पटले, चेतन कुमार बहेकार, कौशल तुरकर, श्यामकला पाचे वह जितेश टेंभरे तथा एक संचालक शिवसेना ठाकरे गट के पंकज यादव निर्वाचित हुए।

ग्राम पंचायत गट में मुरलीधर नागपुरे, मुनेश



राहंगडाले, अरुण गजभिष परिवर्तन पैल के तथा धनलाल ठाकरे भाजपा के निर्विरोध निर्वाचित हुए थे।

व्यापारी गट में राष्ट्रवादी के सुमित अग्रवाल व भाजपा के सुरेश अग्रवाल तथा हमाल गट से विजय उके विजयी घोषित किए गए।

आमगांव कृषि उत्पन्न बाजार समिति आमगांव कृषि उत्पन्न बाजार समिति में भाजपा व राष्ट्रवादी कांग्रेस का गठबंधन चुनाव में था जिनमें दोनों को 14 स्थान प्राप्त हुए वहीं कांग्रेस व भाजपा बागी के परिवर्तन पैल को 4 स्थान मिले।

तिरोड़ा कृषि उत्पन्न बाजार समिति तिरोड़ा कृषि उत्पन्न बाजार समिति में भाजपा की ओर से विधायक विजय राहंगडाले के नेतृत्व में चुनाव लड़ा गया जिसमें 10 संचालक निर्वाचित हुए वहीं राष्ट्रवादी के 4 कांग्रेस के 3 व निर्दलीय 1 संचालक निर्वाचित हुआ।

अर्जुनी मोरगांव कृषि उत्पन्न बाजार समिति अर्जुनी मोरगांव कृषि उत्पन्न बाजार समिति में भाजपा के 9 व महा विकास आघाडी के 9 संचालक निर्वाचित हुए।

देवरी कृषि उत्पन्न बाजार समिति के सभी 18 संचालक भाजपा के निर्विरोध इसके पूर्व निर्वाचित

हो चुके हैं।

गोंदिया एपीएमसी में तानाशाही राज से मिली मुक्ति- विधायक विनोद अग्रवाल

गोंदिया कृषि उत्पन्न बाजार समिति में गत 12 वर्षों से पूर्व विधायक के नेतृत्व में तानाशाही राज चल रहा था जिससे किसान वह सभी त्रस्त हो गए थे जिसके लिए परिवर्तन पैल को भारी सफलता मिली तथा परिवर्तन पैल की इस सफलता पर सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए चुनाव



में जो वादे किए गए थे उसे जल्द ही पूर्ण किए जाएंगे।

संपादकिय...

कितने मुश्किल हैं सरहद के सवाल

चीन के साथ सीमा पर स्थिति लगातार तनावपूर्ण बनी हुई है। इस बीच नेवी चीफ ने हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की गतिविधियों पर ध्यान दिलाया है। नेवी चीफ का कहना है कि चीन की आक्रामकता में कोई कमी नहीं आई है। उन्होंने कहा है कि युद्ध छिड़ने की आशंका भी बनी हुई है। देश के नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने एक कार्यक्रम के दौरान हिंद महासागर क्षेत्र में चल रही चीनी गतिविधियों पर रोशनी डालते हुए जो कुछ बताया, उससे साफ है कि चीन की आक्रामकता में कोई कमी नहीं आई है। नेवी चीफ के मुताबिक, चीनी हरकतों के चलते उस समुद्र क्षेत्र में रोज ही किसी न किसी रूप में संघर्ष होता है। ऐसे में उनका यह आकलन ठीक ही है कि अभी भले बात छोटे-मोटे टकरावों तक सीमित हो, युद्ध छिड़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। लिहाजा उसके लिए खुद को तैयार तो रखना ही होगा। हमारी सेनाएं अपने स्तर पर इसके लिए हमेशा तैयार रहती भी हैं। जहां तक दोनों देशों के रिश्तों का सवाल है तो चीन के रुख का अंतर्विरोध ही संबंधों में सुधार की राह में सबसे बड़ा अड़ंगा बना हुआ है। वह बातें तो मीठी-मीठी करता है, लेकिन व्यवहार में आक्रामकता बनाए रखता है। अभी पिछले सप्ताह ही चीनी रक्षा मंत्री ली शांगफू शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (स्टूह) के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में शिरकत करने भारत आए थे। यह गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद से किसी चीनी रक्षा मंत्री की पहली भारत यात्रा थी और इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ उनकी द्विपक्षीय बातचीत भी हुई। कहने की जरूरत नहीं कि यह भी दोनों पक्षों के बीच तनाव में एक हद तक कमी आने और एक तरह की समझ बनने से ही संभव हुआ। एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक में राजनाथ सिंह ने चीन को खरी-खरी सुनाने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। चीन का जोर इस बात पर था कि सीमा पर जो मतभेद हैं, उन्हें एक तरफ करके रिश्तों को सुधारने पर ध्यान दिया जाए। लेकिन भारत ने स्पष्ट किया कि रिश्तों में सुधार की बात तब तक नहीं की जा सकती, जब तक सीमा पर गलवान भिड़ंत से पहले की स्थिति बहाल करते हुए तनाव समाप्त न कर लिया जाए। चीन ने जिस तरह से अब तक के तमाम समझौतों का उल्लंघन करते हुए सीमा पर एकतरफा ढंग से यथास्थिति बदलने का प्रयास किया, उससे उस विश्वास को चोट पहुंची जो आपसी रिश्ते का आधार था। ऐसे में सीमा पर बने हालात को नजरअंदाज करके रिश्तों को सुधारने का सुझाव नहीं स्वीकार किया जा सकता। लेकिन किसी भी तरह का गतिरोध बातचीत से ही टूटता है। इसीलिए भारत ने अपना पक्ष मजबूती से रखते हुए भी संवाद में कोई बाधा नहीं डाली।

न्यायालय के आदेश का पालन नहीं शिक्षा अधिकारी की कुर्सी व कम्प्यूटर जब्त

बुलंद गोंदिया। न्यायालय का आदेश आए करीब डेढ़ वर्ष हो गया है. लेकिन अदालत ने आदेश के बावजूद अपना काम जारी रखने वाले माध्यमिक शिक्षा अधिकारी की कुर्सी और कंप्यूटर सामग्री को जब्त करने का आदेश दिया। इसी के तहत तीन मई को जिला परिषद गोंदिया में माध्यमिक शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में यह कार्रवाई की गयी। न्यायालय ने आमगांव तहसील के शिवनी के सेवानिवृत्त शिक्षक नीलकंठ धनुजी भुते को उनकी 15 साल की सेवा के हिसाब से 20 लाख रुपये देने का आदेश दिया था। लेकिन कोर्ट के आदेश के बावजूद माध्यमिक शिक्षा अधिकारी मनमानी कर रहे हैं। शिक्षक नीलकंठ भुते ने 1984 से 1989 तक राष्ट्रीय जूनियर कॉलेज, परसवाड़ा में प्राध्यापक के रूप में कार्य किया। उसके बाद उन्होंने 1991 से 1997 तक भूषणराव पाटिल तिछ्ठी मोहगांव स्कूल में काम किया। लेकिन संस्था के भीतर आंतरिक कलह के कारण उस स्कूल को बंद कर दिया गया था। लेकिन सरकार ने उनका समायोजन नहीं किया। तो उस स्कूल के सभी शिक्षक हाईकोर्ट चले गए। उस मामले का नतीजा 2012 के मध्य में आया था। अदालत द्वारा सेवा में शामिल करने के आदेश के बाद उन्हें 6 मई 2013 को गोंदिया के मनोहर म्युनिसिपल हाई स्कूल में तैनात किया गया था। 30 नवंबर 2016 को उनकी सेवानिवृत्ति हुई। उन्होंने अपनी सेवाओं को ध्यान में रखने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट ने उनकी मांग सुनी और उन्हें 19 नवंबर 2021 को उस सेवा के लिए 20 लाख रुपये देने का आदेश दिया. लेकिन गोंदिया के माध्यमिक शिक्षा अधिकारी ने कोर्ट के आदेश की अवहेलना किये जाने पर जसी की कार्यवाही की गयी। 15 साल की बेसिक सैलरी 34 लाख अदालत ने नीलकंठ भूते की 15 साल की अवधि को स्वीकार कर लिया। इस 15 साल की सैलरी 34 लाख 11 हजार 4 रुपए थी। कोर्ट ने आदेश दिया था कि 20 लाख रुपये का भुगतान किया जाए। लेकिन



इस आदेश का पालन नहीं करने वाले माध्यमिक शिक्षा अधिकारी कादर शेख, उप शिक्षा अधिकारी दिघोरे की कुर्सी और कंप्यूटर सामग्री जब्त कर ली गयी। 8 फीसदी ब्याज देना होगा कोर्ट ने आदेश दिया कि तीन महीने के भीतर 20 लाख रुपये का भुगतान किया जाए या फिर 8 प्रतिशत ब्याज की दर से राशि का भुगतान किया जाए. डेढ़ साल की बात तो दूर तीन माह बाद भी कोर्ट की बात नहीं मानने वाले माध्यमिक शिक्षा अधिकारी के कार्यालय को सीज करने की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई चीफ बेलीफ डी.टी. शहरे, बेलीफ डी.बी. नागपुरे ने किया।

आंगनवाड़ी केंद्र सुबह के समय शुरू किए जाएं –पुराम

देवरी-हा बढ़ते तापमान को देखते हुए आंगनवाड़ी में शिक्षा लेने वाले छोटे बच्चों पर विपरीत परिणाम टालने के लिए जिले की आंगनवाड़ी केंद्र का समय सुबह 7.30 से 10 बजे तक करे ऐसी मांग जिला परिषद महिला एवं बाल कल्याण सभापति सविता पुराम ने जपि के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को निवेदन सौंपकर की है। निवेदन में बताया गया है कि जिले में गत 15 दिनों से तापमान बढ़ रहा है। इस बार सबसे अधिक 42 डिग्री सेल्सियस तापमान देखा गया है। बेमौसम बारिश के बाद भी लगभग 40 डिग्री तक तापमान है। गर्मी का सबसे अधिक असर छोटे बच्चों पर होता है। जिले के अनेक आंगनवाड़ी केंद्र में विद्युत व्यवस्था नहीं है और जहां पर है वहां पंखे नहीं हैं। जिससे बालकों के साथ केंद्र के कर्मचारियों को लू लगने की आशंका बनी रहती है।

नागरिक खुद को गर्मी से बचाएं- कलेक्टर चिन्मय गोतमारे

बुलंद गोंदिया। वर्तमान दिनों में मौसम में अचानक बदलाव आ रहा है और आने वाले समय में गर्मी का प्रकोप बढ़ने की संभावना है। जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे ने सुझाव दिया कि स्वास्थ्य विभाग को पर्यावरण में बदलाव और गर्मी से नागरिकों को राहत देने के उपाय करने चाहिए. उन्होंने नागरिकों से तेज गर्मी के दौरान बाहर निकलने से बचने और खुद को धूप से बचाने की भी अपील की। वे जिलाधिकारी कार्यालय में जलवायु परिवर्तन एवं नागरिकों के स्वास्थ्य विषय पर आयोजित कार्यशाला में बोल रहे थे। निवासी उपजिलाधिकारी स्मिता बेलपतरे, उप विभागीय अधिकारी अनमोल सागर, डिन डॉ. कुसुमाकर घोरपड़े, जिला शल्य चिकित्सक डॉ.अंबरीश मोहबे, डॉ.निरंजन अग्रवाल एवं अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे। यह कई तरह के काम और शादियों का समय होता है और अगर आप ज्यादा देर तक धूप में रहते हैं तो हीट स्ट्रोक का खतरा रहता है। इस मामले को ध्यान में रखते हुए और सतर्कता बरतने की जरूरत है. मनरेगा के कार्यों की योजना अधिमानतः सुबह और शाम के समय बनाई जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि दोपहर 12.00 बजे से शाम 4.00 बजे के बीच सरकारी कार्यक्रमों का आयोजन नहीं किया जाना चाहिए। स्कूल-कॉलेज की परीक्षाएं भले ही खत्म हो चुकी हों, लेकिन उन्हें सुबह के सत्र में कराया जाए जहां स्कूल-कॉलेज को जारी रखना जरूरी हो। शासकीय चिकित्सालयों में लू के कारण भर्ती मरीजों का अलग से पंजी संधारित किया जाये, जिसकी रिपोर्ट आपदा प्रबंधन इकाई को नियमित रूप से भिजवाई जाये। बाजार समितियों, धार्मिक स्थलों, तीर्थ स्थलों, बस स्टेशनों, रेलवे स्टेशनों और सरकारी कार्यालयों में पेयजल की व्यवस्था की जाए। दोपहर के समय नगरीय क्षेत्रों के सभी उद्यान एवं पार्क बंद न हो इसका ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र से शहर में काम के



सिलसिले में आने वाले नागरिकों, सड़क के किनारे टेला लगाने वालों, घुमंतू व्यापारियों एवं कामगारों के लिए अपराह्न विश्राम के लिए ऐसे पार्क उपलब्ध कराए जाएं। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए 50 वर्ष से अधिक आयु के पुलिस कर्मियों, एसटी बस कंडक्टरों और ड्राइवरों और समान कर्मचारियों को सुविधाजनक काम के घंटे दिए जाएं। दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे के बीच मार्च की अनुमति देते समय उपरोक्त बातों को ध्यान में रखा जाना चाहिए, अगर लू की पूर्व चेतावनी दी गई हो। संबंधित कारखानों के मालिकों, व्यापारियों और कारखानों को भट्ठे के सामने काम करने वाले मजदूरों को निश्चित अवधि के बाद आराम देने का निर्देश दिया जाए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अग्निशमन व्यवस्था समय पर उपलब्ध हो ताकि गर्मी के दिनों में व्यावसायिक भवनों, गोदामों और कारखानों जैसे स्थानों पर आग का प्रकोप हो। कलेक्टर ने कहा कि पालतू पशुओं को समय पर एवं पर्याप्त मात्रा में पेयजल एवं छाया उपलब्ध कराने के संबंध में नागरिकों में जन-जागरूकता पैदा की जाये। जिला सर्जनों को निर्देशित किया गया कि वे सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में हीट स्ट्रोक के मरीजों के इलाज के लिए उपलब्ध दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखें। उन्होंने यह भी कहा कि हर विभाग को जो जिम्मेदारी दी गई है उसका ठीक से पालन करना चाहिए। जिला कलेक्टर ने नागरिकों से अपील की कि वे बदलते परिवेश की जानकारी पाकर ही बाहर निकलें और धूप से बचाव करें।

आमगांव कृषि उत्पन्न बाजार समिति चुनाव मतगणना में एक मत पत्रिका कम मुझे हराने की साजिश-हेमलता चौहान

बुलंद गोंदिया।
(संवाददाता आमगांव)- आमगांव कृषि उत्पन्न बाजार समिति के चुनाव 28 अप्रैल को संपन्न हुए जिसकी मतगणना 29 अप्रैल को की गई जिसमें मतगणना के दौरान ग्रामपंचायत मतदार संघ से अनुसूचित जाति जमाती गट की मतगणना में एक मत पत्रिका कम पाई गई जिससे उन्हें जिससे उन्हें हराने की साजिश रची गई ऐसा आरोप हेमलता चौहान द्वारा पत्र परिषद में लगाया आमगांव में आयोजित पत्रकार परिषद में हेमलता चौहान ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि आमगांव कृषि उत्पन्न बाजार समिति संचालक



चुनाव में हेमलता चौहान ग्रामपंचायत मतदार संघ से अनुसूचित जाती जमाती गट से उम्मीदवार थी। मतदान के समय जितनी मत पत्रिका बैलेट बॉक्स में डाली गई थी वह जितने मतदाताओं ने मतदान किया था किंतु मतगणना के समय एक मत पत्रिका कम पाई गई ,वह मत पत्रिका कहां गई इस पर

प्रश्नचिन्ह निर्माण हो रहा है। पहले उनका एक मत अवैध बताया गया जब पुनर मतगणना की गई तो वह अवैध मत पत्रिका वहां नहीं थी तथा निर्वाचन अधिकारी का कहना है कि मत पत्रिका नहीं है। जब मत पत्रिका पहले से कम थी तो पहले ही सभी उम्मीदवारों को जानकारी देना चाहिए था कि बैलट बॉक्स में एक मत पत्रिका कम है। तथा उसे अवैध बताया गया फिर वह मत पत्रिका कहां गई जिससे यह साबित होता है कि उन्हें हराने की साजिश अधिकारियों के साथ सांठागठ कर की गई है। इस मामले में शिकायत भी दर्ज कराई गई है तथा इसकी उच्च स्तरीय जांच की मांग की। आयोजित पत्र परिषद के अवसर पर किशोर कावड़े, विजय नागपुरे ,लाला साहू, विकास शर्मा उपस्थित थे।

सब्जी मंडी गोंदिया के व्यापारियों ने किया जनता की पार्टी चाबी संघटना में प्रवेश



बुलंद गोंदिया- कृषि उत्पन्न बाजार समिति के नतीजे को दो दिन भी नहीं हुए है और जनता की पार्टी चाबी संघटना में प्रवेश लेने का सिलसिला शुरू हो चुका है। विधायक विनोद अग्रवाल की जनता की पार्टी एवं कांग्रेस गठबंधन ने परिवर्तन पैनल के रूप में कृषि उत्पन्न बाजार समिति का चुनाव लड़ा एवं ऐतिहासिक जित हासिल कर पूर्व विधायक को फिर एक बार पराजित कर साबित कर ही दिया की अब गोंदिया में नया गड़ी नया राज चलेगा। विधायक विनोद अग्रवाल से प्रेरित हो कर सब्जी मंडी गोंदिया के व्यापारियों ने

नवनिर्वाचित परिवर्तन पैनल पर विश्वास व्यक्त करते हुए जनता की पार्टी चाबी संगठन में प्रवेश किया. सभी का गमछ डाल कर जनता की पार्टी परिवार में विधायक विनोद अग्रवाल ने स्वागत किया। सपन कावड़े, कमलेश कावड़े, गणेश उजवणे, मनोज डोहरे, सौरभ पिंपलशेंडे, अशोक येटरे, तपन कावड़े, विशाल पांडे, लक्की थोले, रवि सेवईवार, सेवेंद्र मानकर एवं सुमित गणेश उजवणे इन्होंने जनता की पार्टी चाबी संघटन में अधिकृत प्रवेश किया।

अज्ञात वाहन ने दो युवकों को कुचला एक की घटनास्थल पर मौत एक गंभीर गोंदिया दहेगांव मार्ग पर हुआ हादसा मार्ग निर्माण में लापरवाही

बारबरिक प्रोजेक्ट पर मामला दर्ज करने की मांग

बुलंद गोंदिया। गोंदिया-आमगांव मार्ग पर स्थित ग्राम दहेगांव में 1 मई की रात 11.30 के दौरान मार्ग पर खड़े दो युवकों को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। जिसमें एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई वह दूसरा गंभीर रूप से जख्मी हो गया जिसे उपचार के लिए नागपुर रवाना किया गया। उपरोक्त मार्ग पर बारबरिक प्रोजेक्ट द्वारा निर्माण कार्य में लापरवाही बरती जा रही है जिसके चलते यह घटना घटी इससे आक्रोशित नागरिकों ने बारबरिक प्रोजेक्ट पर हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम दहेगांव में विवाह का रिसेप्शन पार्टी का आयोजन किया गया था जिसमें तिरोडा तहसील के ग्राम बरबसपुर निवासी बारात लेकर आए थे। तथा भोजन होने के पश्चात मार्ग के बाजू में खड़ी बस में बैठने के लिए अन्य लोगों के साथ यह दोनों युवक जा रहे थे किंतु मार्ग का निर्माण कार्य कछुआ गति से होने तथा किसी भी प्रकार का सूचना फलक नहीं लगाए जाने के चलते व रात का समय होने के चलते बाहर के युवकों को मार्ग समझ में नहीं आया जिसके चलते अज्ञात वाहन द्वारा दोनों युवकों को कुचल दिया गया। उपरोक्त घटना में पंकज मोहपत टेकाम ऊम्र 23 वर्ष की घटनास्थल पर ही मौत हो गई वह दूसरा युवक ओमप्रकाश शिवचंद उईके उम्र 24 ग्राम बरबसपुरा निवासी गंभीर रूप से जख्मी हो गया जिसे उपचार के लिए नागपुर रवाना किया गया। इस भीषण घटना की जानकारी प्राप्त होते ही आमगांव के निरीक्षक युवराज हांडे अपने दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मृतक के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम हेतु भेजा



गया। उपरोक्त मामले की आगे की जांच पुलिस उप निरीक्षक अशोक खेडेकर द्वारा की जा रही है।

बारबरिक प्रोजेक्ट की लापरवाही

उल्लेखनीय है कि गोंदिया से आमगांव महामार्ग का निर्माण कार्य बारबरिक प्रोजेक्ट द्वारा किया जा रहा है किंतु निर्माण कार्य कछुआ गति से होने तथा सुरक्षा के समुचित इंतजाम नहीं किए जाने के चलते आए दिन इस मार्ग पर दुर्घटनाएं घटित हो रही है। जिसमें अनेक लोगों को अपनी जान गवाने के साथ ही बड़ी संख्या में राहगीर गंभीर रूप से जख्मी हो रहे हैं। उपरोक्त प्रोजेक्ट पर कार्य कर रही बारबारिक कंपनी के अधिकारियों मालक द्वारा इस प्रकार की लापरवाही के खिलाफ नागरिकों का आक्रोश आए दिन सामने आता है। इस घटना के पश्चात आक्रोशित नागरिकों द्वारा कंपनी पर हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है।

भगवान् गौतम बुद्ध - बुद्ध पुर्णिमा विशेष

भगवान गौतम बुद्ध जिन्होंने अपने महान विचारों और उपदेशों से दुनिया को एक नया रास्ता दिखाया और समाज में अभूतपूर्व परिवर्तन लाने में अपना अहम योगदान दिया। गौतम बुद्ध द्वारा दिए उपदेशों को मानकर कई लोग न सिर्फ अपने जीवन में सफल हुए बल्कि उनके मन में समाज के प्रति प्रेम, सदभाव की भावना का भी विकास हुआ।

गौतम बुद्ध, भारत के महान दार्शनिक, वैज्ञानिक, धर्मगुरु, एक महान समाज सुधारक और बौद्ध धर्म के संस्थापक थे। गौतम बुद्ध ने हिन्दू धर्म में सिद्धार्थ के रूप में जन्म लिया था, बाद में उन्होंने ग्रहस्थ जीवन में भी प्रवेश किया लेकिन अपनी शादी के कुछ समय बाद उन्होंने अपनी पत्नी और बच्चे का त्याग दिया और परिवारिक मोह-माया से अलग होकर वे बौद्ध धर्म के प्रवर्तक बन गए।

आपको बता दें कि भगवान गौतम बुद्ध, दुनिया को जन्म, मृत्यु और दुखों से मुक्ति दिलाने के मार्ग की तलाश और सत्य दिव्य ज्ञान की खोज में लग गए। इसके बाद उन्होंने भौतिकवादी दुनिया में अपना रास्त ढूंढ़ा।

करुणा भाव से भरे हुए और सत्य, अहिंसा को महात्मा गौतम बुद् ने अपना जीवन का आधार माना और बाद में उन्होंने लोगों को भी इसी मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उनके महान उपदेशों को सुनकर कई लोगों ने अपने जीवन तक बदल डाला। महात्मा गौतम बुद्ध का पूरा नाम सिद्धार्थ गौतम बुद्ध था। उनका जन्म 483 और 563 ईस्वी पूर्व के बीच कपिलवस्तु के पास लुबिनी, नेपाल में हुआ था। आपको बता दें कि कपिलवस्तु की महारानी महामाया देवी को अपने पीहर देवदह जाते हुए रास्ते में प्रसव पीड़ा हुई और उन्होने एक बालक को जन्म दिया था।

आपको बता दें कि उनके पिता का नाम शुद्धोधन था जो कि शाक्य के राजा थे। परंपरागत कथाओं के मुताबिक उनकी माता मायादेवी थि जो कोली वंश से संबंधित थी, जिनका सिद्धार्थ के जन्म के 7 दिन बाद निधन हो गया था। इसके बाद उनका पालन पोषण उनकी मौसी और शुद्ोधन की दूसरी रानी (महाप्रजावती गौतमी) ने किया था। जिसके बाद इनका नाम सिद्धार्थ रख दिया गया।

जिनके नाम का अर्थ है वह जो सिद्धी प्राप्ति के लिए जन्मा हो। अर्थात सिद्ध आत्मा जिसे सिद्धार्थ ने गौतम बुद्ध बनकर अपने कामों से सिद्ध किया। वहीं इनके जन्म के समय एक साधु ने भविष्यवाणी की थी कि यह बालक एक महान राजा या किसी महान धर्म का प्रचारक होगा और आगे चलकर साधु महाराज की इस भविष्यवाणी को गौतम बुद्ध ने सही भी साबित किया और वे पवित्र बौद्ध धर्म के प्रवर्तक बने और समाज में फैली बुराइयों को दूर कर उन्होंने समाज में काफी हद

तक सुधार किया।

वहीं जब राजा शुद्धोधन को इस भविष्यवाणी के बारे में पता चला तो वे काफी सतर्क हो गए और उन्होंने इस भविष्यवाणी को गलत साबित करने के लिए अथक प्रयास किए क्योंकि सिद्धार्थ के पिता चाहते थे कि वे उनके राज सिंहासन को संभालें और अपने पुत्र के कर्तव्य को पूरा करें।

वहीं इसलिए वे उन्हें अपने राजमहल से बाहर भी नहीं निकलने देते थे। वे सिदार्थ को अपने महल में सभी ऐशो-आराम देने की कोशिश करते थे। लेकिन बालक सिद्धार्थ का मन बचपन से ही इन आडम्बरों से दूर ही था इसलिए राजा की काफी कोशिशों के बावजूद भी सिद्धार्थ ने अपने परिवारिक मोह-माया का त्याग कर दिया और सत्य की खोज में निकल पड़े।

आपको बता दें कि गौतम बुद्ध शुरू से ही दयालु प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। एक कहानी के मुताबिक जब इनके सौतेले भाई देवव्रत ने एक पक्षी को अपने बाण से घायल कर दिया था, इस घटना से गौतम बुद्ध को काफी दुख हुआ था। जिसके बाद उन्होंने उस पक्षी की सेवा कर उसे जीवन दिया था। वहीं गौतम बुद्ध स्वभाव के इतने दयालु थे कि वे दूसरे के दुख में दुखी हो जाया करते थे। उन्हें प्रजा की तकलीफों को नहीं देखा जाता था लेकिन उनका यह स्वभाव राजा शुद्धोधन को अच्छ नहीं लगता था।

जब परिवारिक मोह को त्याग कर सिद्धार्थ ने लिया सन्यासी बनने का फैसला

राजा शुद्धोधन ने सिद्धार्थ का मन शिक्षा में लगाया, जिसके चलते सिद्धार्थ ने विश्वामित्र से शिक्षा ग्रहण की थी। यही नहीं गौतम बुद्ध को वेद, उपनिषदों के साथ युद्ध कौशल में भी निपुण बनाया गया। सिद्धार्थ को बचपन से ही घुड़सवारी का शौक था वहीं धनुष-बाण और रथ हंकने वाला एक सारथी में कोई दूसरा मुकाबला नहीं कर सकता था।

वहीं 16 साल की उम्र में उनके पिता ने सिद्धार्थ की शादी राजकुमारी यशोधरा से कर दी। जिससे उन्हें एक बेटे पैदा हुआ, जिसका नाम राहुल रखा गया। गौतम बुद्ध का मन ग्रहस्थ जीवन में लगाने के लिए उनके पिता ने उन्हें सभी तरह की सुख-सुविधाएं उपलब्ध करवाईं। यहां तक कि सिद्धार्थ के पिता ने अपने बेटे के भोग-विलास का भी भरपूर बंदोबस्त किए था।

राजा शुद्ोधनने अपने बेटे सिद्धार्थ के लिए 3 ऋतुओं के हिसाब से 3 महल भी बनाए थे। जिसमें नाच-गान और ऐशो आराम की सभी व्यवस्थाएं मौजूद थी लेकिन ये चीजें भी सिद्धार्थ को अपनी तरफ आकर्षित नहीं कर सकी। क्योंकि सिद्धार्थ को इन आडम्बरों से दूर रहना ही पसंद था इसलिए वे इस पर कोई खास ध्यान नहीं देते थे। वहीं एक बार जब महात्मा बुद्ध दुनिया को देखने के



लिए सैर करने निकले तो उन्हें एक बूढ़ा दरिद्र बीमार मिला जिसे देखकर सिद्धार्थ का मन विचलित हो गया और वे उसके कष्ट के बारे में सोचते रहे।

इस तरह दयालु प्रवृत्ति होने की वजह से उनका मन संसारिक मोह-माया से भर गया। वहीं एक बार भ्रमण के दौरान ही सिद्धार्थ ने एक संन्यासी को देखा, जिसके चेहरे पर संतोष दिखाई दिया, जिसे देखकर राजकुमार सिद्धार्थ काफी प्रभावित हुए और उन्हें सुख की अनुभूति हुई।

वहीं इसके बाद उन्होंने अपने परिवारिक जीवन से दूर जाने और अपनी पत्नी और अपने बच्चे का त्याग करने का फैसला लिया और तपस्वी बनने का फैसला लिया। जिसके बाद वे जंगल की तरफ चले गए।

कठोर तपस्या कर की प्रकाश और सच्चाई की खोज

आपको बता दें कि गौतम बुद्ध सिद्धार्थ ने जब घर छोड़ा था तब उनकी आयु महज 29 साल थी। इसके बाद उन्होंने जगह-जगह ज्ञानियों से ज्ञान लिया और तप के मार्ग की महत्ता को जानने की कोशिश की। इसके साथ ही उन्होंने आसन लगाना भी सीखा और साधना शुरू की।

आपको बता दें कि सबसे पहले वो वर्तमान बिहार के राजगीर स्थान पर जाकर मार्गों पर भिक्षा मांगकर अपना तपस्वी जीवन शुरू किया। वहीं इस दौरान राजा बिम्बिसार ने गौतम बुद्ध सिद्ार्थ को पहचान लिया और उनके उपदेश सुनकर उन्हें सिंहासन पर बैठने का प्रस्ताव दिया लेकिन उन्होंने मना कर दिया।

इसके अलावा कुछ समय के लिए वे आंतरिक शांति की खोज में वो पूरे देश के घूमकर साधू संतो से मिलने लगे। उस दौरान उन्होंने भी एक साधू की तरह भोजन का त्याग कर जीवन व्यतीत करना शुरू कर दिया।

इस दौरान वे शरीर से काफी कमजोर हो गए लेकिन इन्हें कोई संतुष्टि नहीं मिली, जिसके बाद उन्हें यह एहसास

हुआ कि अपने शरीर को तकलीफ देकर ईश्वर की प्राप्ति नहीं हो सकती है और फिर उन्होंने सही तरीके से ध्यान लगाना शुरू किया जिसके बाद उन्हें इस बात का एहसास हुआ कि अति किसी बात की अच्छी नहीं होती और अपने ईश्वर के लिए खुद को कष्ट देना अपराध है। यही नहीं इस सत्य को जानने के बाद महात्मा गौतम बुद्ध ने तपस्या और व्रत के तरीको की निंदा भी की।

भगवान गौतम बुद्ध को हुई ज्ञान की प्राप्ति

एक दिन गौतम बुद्ध बौद्ध गया पहुंचे। वे उस दौरान बहुत थक गए थे, वैशाखी पूर्णिमा का दिन था, वे आराम करने के लिए पीपल के पेड़ के नीचे बैठ गए और ध्यान लगाने लगे। इस दौरान भगवान गौतम बुद्ध ने यह प्रतिज्ञा ली कि जब तक उनको सत्य की खोज नही हो जाती तब तक वो यहां से नही हिलेंगे। 49 दिनों के ध्यान के बाद उन्होंने एक दिव्य रोशनी उनकी ओर आती हुई दिखी।

आपको बता दें कि यह गौतम बुद्ध की खोज का नया मोड़ था। इस दौरान उन्होंने इसकी खोज की थी कि सत्य हर मनुष्य के साथ है और उसे बाहर से ढूंढना निराधार है। इस घटना के बाद से उन्हें गौतम बुद्ध के नाम से जाना गया। वहीं उस वृक्ष को बोधिवृक्ष और उस जगह को बोध गया कहा जाने लगा। इसके बाद इन्होंने पालि भाषा में बौद्ध धर्म का प्रचार-प्रसार किया।

आपको बता दें कि उस समय आम लोगों की भी पाली भाषा थी। यही वजह थी लोगों ने इसे आसानी से अपना लिया क्योंकि अन्य प्रवर्तक उस दौरान संस्कृत भाषा का इस्तेमाल करते थे। जिसे समझना लोगों के लिए थोड़ा कठिन था। इस वजह से भी लोग गौतम बुद्ध और बौद्ध धर्म की तरफ ज्यादा से ज्यादा आर्कषित हुए। देखते ही देखते बौद्ध धर्म की लोकप्रियता लोगों के बीच बढ़ती गई।

वहीं इसके बाद भारत में कई अलग-अलग प्रदेशों में कई हजार अनुयायी फैल गए। जिनसे उनके संघ का गठन हुआ। वहीं इस संघ ने बौद्ध धर्म के उपदेशों को पूरी दुनिया में फैलाया। जिसके बाद बौद्ध धर्म की अनूयायियों की संख्या दिन पर दिन बढ़ती गई।

गौतम बुद्ध ने लोगों को सच्चाई के मार्ग पर चलकर सरल मार्ग अपनाने का ज्ञान दिया। आपको बता दें कि किसी भी धर्म के लोग बौद्ध धर्म अपना सकते थे क्योंकि यह सभी जाति-धर्मों से एकदम दूर था। आपको बता दें कि गौतम बुद्ध को हिन्दू धर्म में भगवान विष्णु का रूप माना गया था इसलिए इन्हें भगवान बुद्ध कहा जाने लगा। इसके अलावा बौद्ध धर्म की इस्लाम में भी अपनी एक अलग जगह थी। बौद्ध धर्म में अहिंसा को अपनाने और सच्चाई के मार्ग पर चलकर सभी मानव जाति एवं पशु-पक्षी को सामान प्रेम का दर्ज देने को कहा गया। इसके साथ ही आपको बता दें कि महात्मा बुद्ध के पिता और उनके बेटे राहुल दोनों ने बाद

में बौद्ध धर्म अपनाया था।

गौतम बुद्ध के उपदेशों एवं प्रवचनों का प्रचार प्रसार सबसे ज्यादा सम्राट अशोक ने किया। दरअसल कलिंग युद्ध में हुए नरसंहार से व्यथित होकर सम्राट अशोक का हृदय परिवर्तन हो गया और उन्होंने महात्मा बुद्ध के उपदेशों को अपनाते हुए इन उपदेशों को अभिलेखों द्वारा जन-जन तक पहुंचाया। यही नहीं सम्राट अशोक ने विदेशों में भी बौद्ध धर्म के प्रचार में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

गौतम बुद्ध की दी गयी शिक्षा

गौतम बुद्ध ने तत्कालीन रुढ़ियों और अन्धविश्वासों का खंडन कर एक सहज मानवधर्म की स्थापना की। उन्होंने कहा की जीवन संयम, सत्य और अहिंसा का पालन करते हुए पवित्र और सरल जीवन व्यतीत करना चाहिए।

उन्होंने कर्म, भाव और ज्ञान के साथ ‘सम्यक्’ की साधना को जोड़ने पर बल दिया, क्योंकि कोई भी ‘अति’ शांति नहीं दे सकती। इसी तरह पीड़ाओ तथा मृत्यु भय से मुक्ति मिल सकती है और भयमुक्ति एवं शांति को ही उन्होंने निर्वाण कहा है।

उन्होंने निर्वाण का जो मार्ग मानव मात्र को सुझाया था,वह आज भी उतनाही प्रासंगिक है जितना आज से ढाई हजार वर्ष पूर्व था, मानवता की मुक्ति का मार्ग ढूंढने के लिए उन्होंने स्वयं राजसी भोग विलास त्याग दिया और अनेक प्रकार की शारीरिक यंत्रणाए झेली।

गहरे चिंतन ङ्क मनन और कठोर साधना के पश्चात् ही उन्हें गया (बिहार) में बोधिवृक्ष के निचे तत्वज्ञान प्राप्त हुआ था। और उन्होंने सर्व प्रथम पांच शिष्यों को दिक्षा दी थी।

गौतम बुद्ध का परिनिर्वाण

आपको बता दें कि 80 साल की आयु में गौतम बुद् ने अपने निर्वाण की घोषणा की थी। समाधि धारण करने के बाद गौतम बुद्ध के अनुनयायियों ने बौद्ध धर्म का जमकर प्रचार-प्रसार किया था। उस दौरान महात्मा बुद्ध द्वारा दिए गए उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने की कोशिश की गई और बड़े स्तर पर लोगों ने बौद्ध धर्म के उपदेशों का अनुसरण भी किया। भारत के अलावा भी चीन, थाईलैंड, जापान, कोरिया, मंगोलिया, बर्मा, श्रीलंका जैसे देशों ने बौद्ध बौद्ध धर्म को अपनाया था।

बौद्ध धर्म का प्रचार

तत्पश्चात अनेक प्रतापी राजा भी उनके अनुयायी बन गये।इका धर्म भारत के बाहर भी तेजी से फैला और आज भी बौद्ध धर्म चीन, जापान आदि कई देशों का प्रधान धर्म है। उनके द्वारा बताये गयी बातो की स्थानिक लोग बड़ी श्रद्धा से मानते थे और उनकी मृत्यु के बाद भी लोग उनके द्वारा बताये गए रास्तो पर चलते थे और उनकी बातो का पालन करते थे।

राशनकार्ड धारक दुकानदार से राशन लेने से कर रहे इनकार

नागरिको ने राशन दुकानदार के प्रति आक्रोश, कहा हम नहीं लेंगे राशन तीव्र करेंगे आंदोलन- खाद्य आपूर्ति अधिकारी ने प्रतिक्रिया देने से किया इनकार

बुलंद गोंदिया। गोंदिया तहसील में स्थित ग्राम सिवनी में राशन दुकानदार द्वारा अभद्र व्यवहार और कम राशन के शिकायत के तहत उनकी दूकान

पिछले 3 वर्ष पहले रद्द की जा चुकी थी. जिसके पश्चात दुसरे राशन दुकान से शिवनी के राशन कार्ड धारको को राशन वाटप किया जा रहा था। परंतु अभी फिर से ग्राम सिवनी में पूर्व राशन दुकानदार योगेशकुमार गौतम उन्हें मिल चुकी है लेकिन गाँव का कोई भी व्यक्ति उनसे राशन लेने से इनकार कर रहा है। गाँव वालो का आरोप है वरिष्ठ अधिकारीयो द्वारा रिश्तत लेकर उसे पुनश्च राशन वाटप करने का आर्डर दिया गया. जिसके प्रति नागरिको ने भरपूर प्रशासन का विरोध किया गया. राशन कार्ड धारको ने इसके प्रति अनेक बार शिकायत की गई थी की राशन दुकानदार से राशन नही लेना है. उसके बजाय आप किसी को भी राशन दूकान दे दीजिये लेकिन हम राशन दुकानदार योगेश गौतम से राशन नही लेंगे ऐसा सभी नागरिको द्वारा कहा जा रहा है।

ग्राम के नागरिको से जब यह पूछा गया की, यदि उनको ही राशन वितरण करने का ऑर्डर दिया गया तब इसपर आपकी क्या राय है ? तब ग्राम के नागरिको ने कहा की गाँव के किसी भी व्यक्ति या कुछ दिन पूर्व बरडे (राशन दुकानदार गर्ग) इनके द्वारा राशन दिया जाता है तो हम लेने तैयार है अन्यथा हम योगेश गौतम (राशन दूकानदार) से कभी भी राशन नही लेंगे और जब इतना विरोध गाँव के लोगो और उनकी शिकायत जिले के जिलाधिकारी, गोंदिया भंडारा के सांसद सुनील मेंडे महोदय के पास, साथ ही जिल्हा आपूर्ति अधिकारी के पास की जा रही है उसके बावजूद योगेश गौतम को क्यो राशन दुकान दी जा रही है उसका जवाब प्रशासन ने देना चाहिए।

सार्वजानिक वाचनालय की ईमारत में खाद्य आपूर्ति अधिकारी द्वारा राशन वितरण

बाढ़ की स्थिति पर काबू पाने के लिए जन जागरूकता और सतर्कता अहम हथियार- जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे

» जिले के 96 गांवों पर बाढ़ का खतरा, एसडीआरएफ नागपुर द्वारा जिले के 50 एमबीबीएस विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन का दिया प्रशिक्षण

बुलंद गोंदिया। आपदा की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती, आपदा की प्रकृति छोटी हो या बड़ी, आपदा के लिए पहले से योजना बनाना जरूरी है। प्रशिक्षण और जागरूकता आपदा प्रबंधन के दो पहलू हैं। जिलाधिकारी कार्यालय गोंदिया में आयोजित बाढ़ खोज एवं बचाव प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे ने कहा कि आपदा के समय जनजागरूकता और सतर्कता दोनों ही हथियारों के प्रयोग से बाढ़ की स्थिति पर काबू पाना संभव है।

इस अवसर पर निवासी उपजिलाधिकारी स्मिता बेलपत्रे, राज्य आपदा प्रतिक्रिया टीम, नागपुर के पुलिस निरीक्षक मारोती लाम्बेवार, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी राजन चौबे, अग्निशमन अधिकारी नीरज काले, लेखा अधिकारी अनीता कोनाले, छठे लेखा अधिकारी मंदार जोशी, सरकार के डॉ मनीष धकाते मेडिकल कॉलेज, डॉ. स्निग्ता ठाकुर, डॉ. श्रुति बिसेन, डॉ. मुख्य रूप से पैंरिश कामड़ी एवं अजय डोंगरे उपस्थित थे। जिलाधिकारी ने आगे कहा कि जिला प्रशासन द्वारा

चेक बाउंस मामले में आरोपी को छह माह की सजा

बुलंद गोंदिया- तिरोड़ा निवासी अमित (बंटी) असाटी ने गौरव श्यामराव झरारिया से 13 लाख रुपए वर्ष 2013- 14 में उधार लिया था। इसकी अदायगी के रूप में अमित विजयकुमार असाटी ने सन् 2016 को 13 लाख रुपए का चेक गौरव झरारिया को दिया था, लेकिन वह चेक बाउंस हो गया। तब गौरव झरारिया ने तिरोड़ा न्यायालय में अमित असाटी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। अमित ने अलग-अलग



गत वर्ष 2022 में बाढ़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए आगे की योजना बनाने की अपेक्षा की जा रही है. आपदा के दौरान बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए हर विभाग और हर अधिकारी व कर्मचारी सतर्कता से कार्य योजना बनाएं। मानसून के मौसम में आपदा से निपटने के लिए जिले में आपदा प्रबंधन दल द्वारा स्टेट डिजास्टर रिस्यांस फोर्स द्वारा प्रदान किए जाने वाले रंगारंग प्रशिक्षण व प्रशिक्षण का प्रभावी ढंग से उपयोग करना आवश्यक है। साथ ही चूँकि जिले में नदियों, बांधों, जलाशयों एवं अन्य स्थानों पर जल संग्रहण पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है, इसलिए आने वाले समय में बाढ़ की स्थिति की सावधानीपूर्वक योजना बनाना आवश्यक है।

इस मौके पर उपजिलाधिकारी स्मिता बेलपत्रे ने कहा कि नदी किनारे बसे गांवों के नागरिकों में

गालीगलौज कर की मारपीट

कारण बताते हुए मामले को लंबित कराने का प्रयास किया। अंततः 28 अप्रैल 2023 को न्यायाधीश डी. आर. बडवे ने अमित असाटी को दोषी ठहराकर 16 लाख रुपए का जुर्माना तथा रकम जमा नहीं करने पर 6 माह की सजा सुनाई। फरियादी गौरव झरारिया की ओर से एड. सचिन बोरकर ने पैरवी की तथा अमित असाटी की पैरवी एड. उमेश गंगापारी व एड. दिलीप हरिणखेडे ने किया।

गोंदिया-रावणवाड़ी थानांतर्गत ग्राम लोधीटोला घिवारी निवासी फरियादी शुभम योगेश्वर मनिराम गराड़े (45) अपने घर में अपनी पत्नी के साथ जमीन के विवाद को लेकर चर्चा कर रहा था कि आरोपी ने फरियादी एवं उसकी पत्नी पर लकड़ी से प्रहार कर दिया। जिसमें दोनों जख्मी हो गए। इतना ही नहीं तो आरोपी ने गालीगलौच कर लात-घुसो से भी उनकी पिटाई कर दी। यह घटना 28 अप्रैल को घटित हुई। फरियादी की रिपोर्ट पर रावणवाड़ी पुलिस ने भार्दवि की धारा 324, 506, 34 के तहत मामला दर्ज किया है। इस मामले की जांच पुलिस हवलदार तुरकर कर रहे हैं।



सार्वजनिक वाचनालय की ईमारत ग्राम शिवनी में है जहाँ रोज विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने आते है और वहा तहसील कार्यालय के कर्मचारी और पुरवटा अधिकारी द्वारा राशन वाटप का माल रखा गया था. जिसपर ग्राम के नागरिको ने सवाल उठाया की ग्राम पंचायत की अनुमती के बिना इस वाचनालय में माल क्यो रखा गया.जिसपर सभी ने चुप्पी रखी।

जब खाद्य पुरवटा अधिकारी भारती वाकोडे से पूछा गया की आपको राशन वाटप करने का आर्डर दिया गया है क्या तब उन्होंने कहा 2 मिनट में देते है. परन्तु उस आर्डर के लिए लगभग 2 घंटे का वक्त लगा तब जाकर राशन का आर्डर मिला. साथ ही नागरिको ने भी सवाल उठाया की यह सब प्रशासन की मिलीभगत है आर्डर नही होने के बावजूद भी यह तुरंत में आर्डर बनाया गया है ऐसा आरोप नागरिको ने लगाया है साथ ही जो आर्डर दिया गया है वह उसी तारीख को निकला है जिससे साबित होता है यहाँ कुछ तो गड़बड़ है इसकी जाँच भी होना चाहिए।

आपूर्ति अधिकारी वाकोडे ने प्रतिक्रिया देने से किया इनकार

पत्रकार द्वारों तथा गाँव को नागरिको द्वारा जब सवाल किये गए तब आपूर्ति अधिकारी ने जवाब देने से इनकार करते हुए कहा की मैं इसके बारे में कुछ भी नही कह सकती हूँ जो कुछ पूछना है जिला आपूर्ति अधिकारी से पुछें ऐसा वाकोडे तहसील खाद्य आपूर्ति अधिकारी ने कहा।

बौद्ध सामूहिक विवाह में 12 जोड़े का विवाह संपन्न, सामूहिक विवाह आज के समय में सभी समाज के लिए आवश्यक - जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे

बुलंद गोंदिया। बौद्ध सामूहिक विवाह समारोह प्रथम वर्ष का आयोजन डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर संस्कृतिक भवन मरारटोली में भीमघाट स्मारक समिति गोंदिया व विश्व भूषण भारत रत्न डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर सार्वजनिक जयंती उत्सव समिति के संयुक्त तत्वधान में आयोजित किया गया। जिसमें 12 जोड़े परीनय में बंधे। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित गोंदिया के जिलाधिकारी चिन्मय गौतमारे ने अपने संबोधन में कहा कि सामूहिक विवाह आज के वर्तमान समय में सभी समाज के लिए आवश्यक है, जिसमें सामाजिक एकता को बल मिलता है।

गौरतलब है कि भीमघाट स्मारक समिति गोंदिया व विश्व भूषण भारत रत्न डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर सार्वजनिक जयंती उत्सव समिति द्वारा 1 मई 2023 को पहला बौद्ध सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। सामूहिक विवाह के प्रथम



अध्यक्ष घनश्याम पानतवने ने की अध्यक्षता में संपन्न हुआ तथा समाज के 12 जोड़े परिणय में बंधे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सामूहिक विवाह समिति के अध्यक्ष घनश्याम पानतवने,प्रमुख अतिथि के रूप में जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे, नगर परिषद मुख्य अधिकारी व प्रशासक करणकुमार चौहान, समाज कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त विनोद मोहतुरे उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में सामूहिक विवाह सभी समाज के लिए

आवश्यक है जिसमें सामाजिक एकता को बल मिलता है। तथा उपरोक्त कार्यक्रम का भव्य आयोजन करने के लिए आयोजन समिति का अभिनंदन करने के साथ ही नवयुगलों को उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

समिति व कार्यक्रम के अध्यक्ष घनश्याम पानतवने ने अपने संबोधन में कहा कि भिमघाट स्मारक समिति व डॉ बाबासाहेब आंबेडकर सार्वजनिक जयंती उत्सव समिति के माध्यम से विभिन्न सामाजिक कार्यों के दौरान यह देखने में आया कि समाज के दुर्बल घटकों को अपने बच्चों के विवाह के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है तथा उन्हें शादी के लिए पैसों की कमी के चलते के लिए कर्ज लेना पड़ता है। इसलिए समाज के सक्षम लोगों के सहयोग से दुर्बल घटक को सहयोग हेतु 4 माह पूर्व सामूहिक विवाह करने का निर्णय लिया गया था। जिसमें प्रथम वर्ष 12 जोड़ों की शादी इस आयोजन में हो रही है। तथा भविष्य में इसे और भव्य रूप से बड़े रूप से करने के साथ ही गोंदिया जिले के साथ आसपास के जिलों में भी समिति द्वारा इसका प्रचार प्रसार कर दिसंबर माह में परिचय सम्मेलन

आयोजित किया जाएगा तथा उपरोक्त आयोजन में सहयोग देने वाले सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। मुख्य अधिकारी करण चौहान ने सभी नव युगलों को शुभकामनाएं देकर उनके भावी उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई दी।

कार्यक्रम के शुभारंभ में उपस्थित अतिथियों के हस्ते भगवान गौतम बुद्ध वह डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर के तेलचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया तथा 12 जोड़ों को समिति के अध्यक्ष घनश्याम पानतवने की ओर से प्रत्येक जोड़ों को 1रुपए की जीवन आवश्यक वस्तुएं उपहार स्वरूप भेंट की गई।

साथ ही इस अवसर पर अन्य प्रमुख उपस्थिति के रूप में उप विभागीय अभियंता सिंचाई विभाग चंद्रकांत डोंगरे, उपविभागीय अभियंता सार्वजनिक बांधकाम गोंदिया सुनील बढ्गे, पूर्व अध्यक्ष डॉ बाबासाहेब आंबेडकर सार्वजनिक जयंती सतीश बंसोड़ ,प्रदीप ठवरे, गज्जू नागदवने, सुनील भालेराव, विकास सेन्डे ,अजय चौरै, महेंद्र मेश्राम, सुशीला भालेराव, दिनेश रंगारी, सुरेंद्र खोब्रागडे, एबी बोरकर, प्रशांत मेश्राम ,डॉक्टर राजेंद्र वैद्य, डॉक्टर सनम

देशभ्रतार, डॉक्टर योगेश सोनारे, डॉक्टर मोहित गजभिए, विजय रगड़े, विनीत सहारे, अशोक बेलेकर ,जितेंद्र बंटी पंचबुद्धे उपस्थित थे।

आयोजित कार्यक्रम में भीम घाट स्मारक समिति के अध्यक्ष श्याम चौरै, उपाध्यक्ष राजा बंसोड़ , रंजना मेश्राम, किशोर मेश्राम, रोशन जंभुलकर, महेंद्र मेश्राम ,कुंदन चौरै, सुनील जाभुडकर, वनिता बंसोड़ तथा सार्वजनिक उत्सव समिति के अध्यक्ष अमित भालेराव, विलास राउत ,श्याम चौरै, हर्षपाल रंगारी, रविकांत कोटंगले, मिलिंद गणवीर, प्रफुल्ल भालेराव, सुनील मेश्राम, बसंत गणवीर, प्रवीण बोरकर, रवि भालाधरे, अनिल डोंगरे, जितेंद्र सतीसेवक, अमर राउत , आकाश ने विशेष सहयोग दिया साथ ही अन्य सहायक सदस्यों ने भी अपना बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम का संचालन श्याम चौरै वह कार्यक्रम की प्रस्तावना अमित भालेराव ने रखी सामूहिक विवाह के अवसर पर हजारों की संख्या में लोगो ने उपस्थित होकर वर वधू को आशीर्वाद दिया।

नियमित कर अदा करने वाले नागरिकों का जि.प.अध्यक्ष पंकज राहंगडाले द्वारा सत्कार



बुलंद गोंदिया। ग्राम पंचायत गंगाझरी में महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर नियमित कर अदा करने वाले नागरिकों का जिला परिषद के अध्यक्ष पंकज राहंगडाले द्वारा अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर

महिला एवं बाल कल्याण सभापति सविता पुरम भी उपस्थित थीं। ग्राम पंचायत एक स्वायत्त संगठन है और ग्राम पंचायत के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता और अन्य बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। हालांकि, समय पर करों का भुगतान न करने के कारण ग्राम पंचायत के विकास में बाधा आ रही है।

नियमित करदाताओं के लिए सम्मान समारोह आयोजित कर ग्राम पंचायत द्वारा शुरू की गई एक अभिनव पहल के परिणामस्वरूप तेजी से कर संग्रह

होगा। यह विश्वास जिला परिषद अध्यक्ष पंकज राहंगडाले ने व्यक्त किया। इस दौरान जिला परिषद अध्यक्ष पंकज राहंगडाले ने महिला बचत समूह के कार्यालय का भी उद्घाटन किया। इस कार्यालय के माध्यम से स्वयं सहायता समूह को एक नया प्रोत्साहन मिलेगा तथा उपस्थित महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्यों को विश्वास दिलाया गया कि जिला परिषद हमेशा उनके साथ है यदि उन्हें किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता है। इस समय जी.पी. सदस्य अश्विनीताई पटले, पी.एस. सदस्य वंदनाताई पटले, पी.एस. सदस्य अजबराव रिनायत, तिजेश गौतम, संजू पटले प्रथम नागरिक, उप सरपंच सेविकताई अगासे, पूर्व पी.एस. सदस्य प्रकाश पटले, जी.प. सदस्य राजेश कटरे महेंद्र भुवें, राम सिंह पंधरे सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

महिला नागरी को-ऑपरेटिव्ह संस्था की राशि गबन- 2 कर्मचरियो पर मामला दर्ज

बिजली और पानी के बिलों की 5 लाख रुपये से अधिक की रकम संस्था के खाते में जमा नहीं कराई

बुलंद गोंदिया। तिरोडा थाने में महिला नागरी पत संस्था, तिरोड़ा में कार्यरत दो कर्मियों पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। आरोपियों के खिलाफ सहायक निबंधक सहकारी संस्था के अधिकारी ने शिकायत दर्ज की है कि उक्त बैंक कर्मियों ने पतसंस्था में जमा हुए विद्युत व पानी के बिलों की रकम संस्था के खाते में जमा न करते हुए उसकी अफरातफरी की। फियार्दि सहायक अधिकारी श्रेणी-2 सुधीर भैयालाल शेन्द्रे की शिकायत रिपोर्ट अनुसार

आरोपी तिरोड़ा के महिला नागरी पत संस्था में कार्यरत है। उक्त दोनों आरोपियों ने 10 जनवरी 2023 से 3 मार्च 2023 के दौरान बिजली ग्राहकों की ओर से विद्युत बिलों की रकम 2 लाख 91 हजार 378 एवं पानी के बिलों की रकम 2 लाख 46 हजार 815 रुपये स्वीकार कर इस कुल रकम 5 लाख 38 हजार 193 रुपये बैंक संस्था में जमा न करते हुए इन रुपयों की अफरातफरी की है। तिरोड़ा पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ भादवि की धारा 406, 34 ले तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पूरी- सूरत एक्सप्रेस में लावारिस अवस्था में मिला साढ़े सात किलो मादक पदार्थ गांजा ऑपरेशन नार्कोस के तहत गोंदिया आरपीएफ की कार्रवाई

बुलंद गोंदिया। कर्नाटक राज्य में होने वाले आगामी चुनाव को देखते हुए आरपीएफ गोंदिया के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार तिवारी के नेतृत्व में गोंदिया स्टेशन परिसर व यात्री गाड़ियों में अवैध रूप से मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के लिए ऑपरेशन नार्कोस विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी जांच अभियान के दौरान ट्रेन क्रमांक 22827 पूरी- सूरत साप्ताहिक सुपरफास्ट



पाई गई। इसके पश्चात नियमानुसार कार्रवाई करते हुए बैग को खोलकर देखा गया वह जांच की गई तो उसमें खाकी रंग के दो पैकेट पाए गए। जिसमें नशीला पदार्थ गांजा भरा हुआ था तथा टेप की मदद से पैकेट बनाकर रखा गया था। बरामद लावारिस ट्राली बैग व गांजे के दोनों बंडल आरपीएफ कार्यालय गोंदिया में लाकर वरिष्ठ अधिकारियों व गवाहों के समक्ष उसका वजन किए जाने पर उसमें 7 किलो 500 ग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ जिसकी कीमत लाखों रुपए बताई गई है।

उपरोक्त मामले में कार्रवाई करते हुए दस्तावेजों सहित गोंदिया रेलवे पुलिस के सुपुर्द किया गया जहां मादक पदार्थ एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

उपरोक्त कार्रवाई गोंदिया रेलवे सुरक्षा बल के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार तिवारी के नेतृत्व में आरक्षक विवेक कर्नौजिया, प्रधान आरक्षक राजेंद्र रायकवार, महिला आरक्षक ज्योतिबाला, आरक्षक अमित राठी व आरपीएफ अपराध गुप्तचर शाखा के जवानों द्वारा संयुक्त रूप से की गई।

बुलंद गोंदिया

गोंदिया जिले में गर्मी के दिनों में बेमौसम बारिश हुई है और अर्जुनी मोरगांव तहसील में पिछले आठ दिनों से बिजली गिरने के साथ भारी बारिश हो रही है और बड़ी मात्रा में खेतों की फसल को नुकसान पहुंचा है। साथ ही कई मकान भी गिर गए हैं। मानसून के आगमन में एक माह और कृषि कार्य पूर्ण होने में केवल एक माह शेष है। उस समय बेमौसम बारिश से किसान मायूस हो गए हैं। पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले ने राज्य के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और जिलाधिकारी को निवेदन देकर क्षतिग्रस्त हुए खेतों और टूटे मकानों का प्रशासनिक



एजेंसियों से तत्काल पंचनामा बनाकर मुआवजा देने की मांग की है।

इस साल गोंदिया जिले के साथ अर्जुनी मोर. विधानसभा क्षेत्रों के किसानों ने ग्रीष्मकालीन धान की फसल के अलावा बड़ी संख्या में मक्का की फसल भी लगाई है। किसान चिंतित हैं क्योंकि बेमौसम बारिश के कारण हाथ में आई फसलें बह गई हैं। पूरे

प्रधानमंत्री मोदी 100 वी मन की बात निबंध प्रतियोगिता के पुरस्कार निर्मला मिश्रा हस्ते वितरित

बुलंद गोंदिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 100वीं मन की बात प्रोग्राम के अवसर पर पूर्व पार्षद निर्मला मिश्रा द्वारा मालवीय स्कूल में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें विजेताओं को निर्मला मिश्रा के हस्ते पुरस्कार का वितरण किया गया। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 100 वीं मन की बात के उपलक्ष में पूर्व पार्षद निर्मला दिलीप मिश्रा द्वारा मालवीय स्कूल श्रीनगर में स्वच्छता का महत्व व मजदूर दिवस इन विषयों पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। उपरोक्त निबंध प्रतियोगिता में विजेता के रूप में प्रथम पुरस्कार सृष्टि रोकड़े, द्वितीय पुरस्कार चांदनी चौरीवार, तृतीय पुरस्कार मयंक नंदेश्वर एवं सृष्टि चुटे को दिया गया। इसके साथ ही प्रतियोगिता में शामिल सभी



प्रतियोगियों को सांत्वना पुरस्कार व प्रमाण पत्र से पूर्व पार्षद निर्मला मिश्रा के हस्ते सम्मानित किया गया।

आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य रूप से निर्मला दिलीप मिश्रा, मालवीय स्कूल के प्रधानाचार्य दिलीप राहंगडाले, केबी राहंगडाले, दिलीप मिश्रा, देवा नंदनवार, पंकज सोनवाने, सुनील रोकड़े, विक्रांत मिश्रा, राहुल वाढई, यश गुरनानी, प्रशांत मानकर, शुभम पांडे, प्रज्वल दुबे, विवेक पांडे, अनुज तिवारी, यश नेवारे, देव बनोटे, साहिल नेवारे, लड्डू ठाकरे व प्रभाग के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सड़क अर्जुनी के मोगरा, राजगुड़ा परिसर में जंगली हाथियों का आतंक

बुलंद गोंदिया। सड़क अर्जुनी तहसील के ग्राम मोगरा, राजगुड़ा में जंगली हाथियों का झुंड मोगरा गांव में दाखिल हुआ. हाथियों के झुंड ने मोगरा और राजगुड़ा परिसर में धान की फसल बर्बाद कर दी. जिससे किसानो ने नुकसान



भरपाई की मांग की। वनविभाग के वनपरिक्षेत्र अधिकारी सुरेश जाधव व वन्यजीव विभाग के वनपरिक्षेत्र अधिकारी सावंत आपने टीम के साथ मोगरा ग्राम पहुंचे और फटाके की आवाज से जंगली हाथियों के झुंड को जंगल की ओर भगाया गया। लेकिन सुबह 4 बजे के करीब हाथियों का झुंड फिर लोट कर मोगरा गांव में आया और हेमराम पटने के 3 हेक्टेयर धान की फसल को नुकसान पहुंचाया. मोगरा से झुंड राजगुड़ा पहुंचा और भरत इडपाते के खते में नुकसान किया. हाथियों के डर से लोग घर से बहार नहीं निकल रहे है. उपसरपंच लेखलाल टेकाम की मांग है कि किसानों को नुकसान भरपाई दिए जाए। जंगली हाथियों का झुंड मोहफुल के सुंगध से घरों के पास आते है. जिनके भी घरों में मोहफुल है वह तुरंत बेच दे. गांव के नागरिक मोहफुल बीनने के लिए जंगल परिसर में ना जाए। सुरेश जाधव, वनरिक्षेत्र अधिकारी सड़क अर्जुनी।